

-बनाम-

1. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार (राजस्व) श्रीङ्गारगढ

प्रतिवादी

उपस्थिति:-

1. राजुराम बाना अभिभाषक वादी
2. पैरोकारराज स्टेट की तरफ से



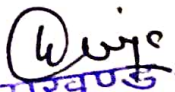
वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम एवं धारा 130 राजस्थान गू-राजस्व अधिनियम 1956

यह वाद जसविन्द्र सिंह ने जरिये अधिवक्ता के माफत पेश कर निवेदन किया है कि वादी के नाम से खातेदारी के खेत खसरा नम्बर 67 तादादी 0.5500 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 71 तादादी 1.5500 हैक्टेयर रोही धीरदेसर पुरोहितान में स्थित है। उक्त खेत प्रार्थी के सडक के दोनो तरफ है जिरा में मौके पर सडक के उत्तरी तरफ 1.3000 हैक्टेयर एवं दक्षिणी तरफ 0.8000 हैक्टेयर है लेकिन राजस्व नक्शा सीट में तरमीम मौके के विपरीत होने से खसरा नम्बर 67 की तादादी 0.5500 हैक्टेयर एवं खसरा नम्बर 71 की तादादी 1.5500 हैक्टेयर है जो मौके कब्जे के विपरीत है। वादगत खेत मौके पर सडक के उत्तरी तरफ 1.3000 हैक्टेयर एवं दक्षिणी तरफ 0.8000 हैक्टेयर है जो राजस्व रिकार्ड में मौके कब्जे के विपरीत सडक की तरमीम मौके से उत्तरी तरफ होने से वादगत खेतों के राजस्व रिकार्ड एवं नक्शे में तादादी एवं रकबा मौके कब्जे के बिल्कुल विपरीत दर्ज है। वादगत खेतों के राजस्व नक्शा में राजस्व कर्मचारियों ने वादगत खेतों में सडक की तरमीम मौके के अनुसार न करते हुए मौके के विपरीत कर दी जिससे वादगत खेतों के रकबे एवं मौके के रकबे में काफी अन्तर आ गया वादगत खेतों का मौका राजस्व नक्शा एवं रिकार्ड से विल्कुल विपरीत है। वादगत खेत राजस्व नक्शा सीट में मौके कब्जे के विपरीत दर्ज है जो राजस्व कर्मचारियों ने बिना मौका जांच किये वादगत खेतों की तरमीम मौके के विपरीत कर दी जिसको वादी मौके कब्जे के अनुसार करवाने का अधिकारी है। वादी वादी ने दिनांक 21.10.2018 को राजस्व रिकार्ड की नकले निकलवाई तो पता चला की वादी के खेतों में सडक की तरमीम मौके कब्जे के विपरीत मौके से उत्तरी तरफ है जिसको वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 से मौके कब्जे के अनुसार करवाने के लिए निवेदन किया तो प्रतिवादी ने रिकार्ड सही करने से इनकार कर दिया प्रतिवादी की इनकारी से वादी को वाद हेतु हासिल है। वादी के खेत के राजस्व नक्शे में तरमीम मौके कब्जे के विपरीत होने से वादी को अपूरणीय क्षति कारित हो रही है। वादी की भूमि रोही धीरदेसर पुरोहितान में अवस्थित है जो श्रीमान जी के क्षेत्राधिकार एवं श्रवणाधिकार में है। दावा जानकारी के अन्दर मियाद एवं पूर्ण न्याय शुल्क पर प्रस्तुत है।

अतः वादी का दावा स्वीकार किया जाकर निम्न प्रकार से आदेश फरमानें का निवेदन किया गया है:-

- (क) कि रोही धीरदेसर पुरोहितान के खसरा नम्बर 67 तादादी 1.5500 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 70 तादादी 1.0500 हैक्टेयर एवं खसरा नम्बर 71 तादादी 0.5500 हैक्टेयर के बजाय खसरा नम्बर 67 तादादी 1.3000 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 70 तादादी 1.0500 हैक्टेयर एवं खसरा नम्बर 71 तादादी 0.8000 हैक्टेयर घोषित की जाकर राजस्व नक्शे में तरमीम मौके कब्जे के अनुसार घोषित की जावें।
- (ख) कि प्रतिवादी संख्या 1 को आदेशित किया जावे कि रोही धीरदेसर पुरोहितान के वादगत खेत खसरा नम्बर 67 तादादी 1.5500 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 70 तादादी 1.0500 हैक्टेयर एवं खसरा नम्बर 71 तादादी 0.5500 हैक्टेयर का रकबा खसरा नम्बर 67 तादादी 1.3000 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 70 तादादी 1.0500 हैक्टेयर एवं खसरा नम्बर 71 तादादी 0.8000 हैक्टेयर दर्ज कर राजस्व नक्शे में तरमीम कर राजस्व रिकार्ड में कब्जा काश्त एवं मौके के अनुसार दर्ज कर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त करें।
- (ग) कि अन्य कोई न्यायोचित अनुतोष जो हितकर वादी हो अथवा दौराने दावा हितकर वादीगण हो जावें वह भी आज्ञाप्त फरमाया जावें।

वादी के उक्त वाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को जरिये न्याय तलब किया गया। प्रतिवादी संख्या 1 की तरफ से पैरोकार राज ने जवाब पेश किया कि खसरा नम्बर 67,71,70 तादादी क्रमशः 0.55, 1.55 व 1.05 हैक्टेयर राजस्व रेकार्ड में दर्ज रकबे की बजाय खसरा नम्बर 67

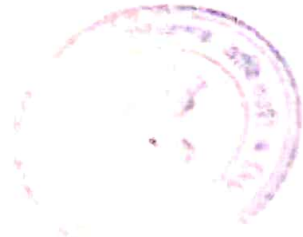

उपखण्ड अधिकारी
श्रीङ्गारगढ (बीकानेर)


का क्षेत्र 1.00 हेक्टेयर एवं खसरा नम्बर 71 का रकबा 0.80 रोही वीरदेसर पुरोहितान में मौजूद
कब्जा अनुसार दिया जाता है। तो इसे कोई आपत्ति नहीं है। बाद का अवलोकन किया गया।
सर्वे की बाटी का बाद स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं होने के कारण बाटी का बाद स्वीकार
होना ही अनिवार्य स्वीकार किया जाता है।

निर्णय

खसरा नम्बर 67 तादादी 1.6500 हेक्टेयर खसरा नम्बर 70 तादादी 1.0500 हेक्टेयर एवं
खसरा नम्बर 71 तादादी 0.6500 हेक्टेयर का रकबा खसरा नम्बर 67 तादादी 1.3000 हेक्टेयर,
खसरा नम्बर 71 तादादी 0.8000 हेक्टेयर बाकी रोही वीरदेसर पुरोहितान में राजस्व नक्शे में तरमीम
कर राजस्व रिकार्ड में कब्जा करवा एव मौके के अनुसार दर्ज कर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त किये जाने
का आदेश महसीलदार श्रीदुनरगढ को दिये जाते हैं। महसीलदार श्रीदुनरगढ उपरोक्तानुसार राजस्व
नक्शे में तरमीम कर राजस्व रिकार्ड में कब्जा करवा एव मौके के अनुसार दर्ज करे। दिखी जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 13/01/2019 को सरे इजलास में द्वारा टंकित कारवाया जाकर मेरे हस्ताक्षर
एव म्हायतव की मुद्रा से जारी किया गया। पत्रावली बाद निर्णय रायरा सजिस्टर में भी काम होकर
दरिजत रकवा हो। निर्णय सुनाया गया।




(दिवा)
उपसचिव, सहायकारा
बीरदेसर (विशेषी)
श्रीदुनरगढ

डिक्री मुकदमें इन्तदाई
(आदेश 20 के नियम 6 और 7)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी श्री डूंगरगढ
पीठासीन अधिकारी:- दिव्या (आर.ए.एस.)

उनवान
जसविन्द सिंह पुत्र भगवान सिंह जाति जटसिख निवासी साहवा तहसील तारानगर जिला चुरू
बनाम

1. राजस्थान सरकार स्टेट जरिये तहसीलदार (राजस्व) श्रीडूंगरगढ
वाद अन्तर्गत धारा 88 राज. काश्तकारी अधिनियम एवं 131, 136 राजस्थान भू-राज. अधि. 1956

निर्णय दिनांक 15.3.2021

मुकदमा नम्बर 14/2019

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिलास कतई रुब्ल अदालत बहाजरी वादी की ओर से राजूराम बाना गिनजानिब मुदई व प्रतिवादी सं. 01 की तरफ से पैरोकारराज गिनजानिब मुददायलाह पेश होकर हुक्म दिया जाता है कि खेत खसरा नम्बर 67 तादादी 1.5500 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 70 तादादी 1.0500 हैक्टेयर एवं खसरा नम्बर 71 तादादी 0.5500 हैक्टेयर का रकबा खसरा नम्बर 67 तादादी 1.3000 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 71 तादादी 0.8000 हैक्टेयर वाके रोही धीरदेसर पुरोहितान में राजस्व नक्शे में तरमीम कर राजस्व रिकार्ड में कब्जा काश्त एवं मौके के अनुसार दर्ज कर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त किये जाने का आदेश तहसीलदार श्रीडूंगरगढ को दिये जाते है। तहसीलदार श्रीडूंगरगढ उपरोक्तानुसार राजस्व नक्शे में तरमीम कर राजस्व रिकार्ड में कब्जा काश्त एवं मौके के अनुसार दर्ज करें।

लीज 0.0 मुबलिग 0.0 वावत 0.0 खर्चा इस मुकदमें के मय सूद व शरह 0.0 फीसदी सालाना आज को जारी तारीख वसूलयाबी को अदा करें।

बसिब मेरे दस्तखत व मुहर अदालत आज दिनांक 15 माह 03 सन् 2021 को जारी किया गया।



(दिव्या)
उपखण्ड अधिकारी
श्री डूंगरगढ (दिक्री)

वाद के खर्चे

वादी	प्रतिवादी		
	रुपया	रुपया	
1. वाद पत्र के लिए स्टाम्प	0	1. शक्ति पत्र के लिए स्टाम्प	0
2. शक्ति पत्र के लिए स्टाम्प	0	2. अर्जी के लिए स्टाम्प	0
3. प्रदर्शों के लिए स्टाम्प	0	3. प्लीडर की फीस	0
4. _____ रूपये पर प्लीडर की फीस	0	4. साक्षियों के लिए निर्वाह भत्ता	0
5. साक्षियों के लिए निर्वाह-भत्ता	0	5. आदेशिका की तामिल	0
6. कमिश्नर की फीस	0	6. कमिश्नर की फीस	0
7. आदेशिका की तामिल	0		0
योग	0	योग	0

(दिव्या)
उपखण्ड अधिकारी
श्री डूंगरगढ (दिक्री)